CAREERINDIA

PAPER-II
PRAKRIT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ___________________________
   (Name) ______________________________
2. (Signature) ___________________________
   (Name) ______________________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.________________________________
(In words)

D 9 1 1 4

Time : 1 ¹/₄ hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **12** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

www.careerindia.com

CAREERINDIA

PRAKRIT
प्राकृत
Paper – II
पण्हपत्तं – II
प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. **All** questions are compulsory.

नोट : इमम्मि पण्हपत्ते **पण्णासा** (50) बहु विकप्पियाणि पण्हाणि सन्ति । पत्तेगं पण्हं **दुवे** (2) अंकस्स अत्थि । **सव्वाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति ।

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. Words ending with consonants are not used in this language –
इस भाषा में व्यंजनान्त शब्दों का प्रयोग नहीं होता है –
(A) प्राकृत भाषा (B) छान्दस्
(C) वैदिक भाषा (D) संस्कृत

2. The name of the language of third stage of the development of Prakrit is –
तृतीय युगीन प्राकृत के विकास की भाषा का नाम है –
(A) मागधी (B) अपभ्रंश
(C) पैशाची (D) महाराष्ट्री

3. Inscriptional Prakrit is considered to be a language of this development stage of Prakrit –
प्राकृत भाषा के विकास क्रम में शिलालेखीय प्राकृत इस युग की प्राकृत मानी जाती है –
(A) आधुनिक युगीन (B) तृतीय युगीन
(C) प्रथमयुगीन (D) मध्ययुगीन

4. The earlier form of the Prakrit word '<u>devehi</u>' is found in Vedic literature as–
प्राकृत शब्द 'देवेहि' का प्राचीन रूप वैदिक साहित्य के इस शब्द में उपलब्ध है –
(A) देवस्स (B) देवेभि:
(C) देवै: (D) देवानं

5. The language prescribed to female characters in Sanskrit-dramas is :
संस्कृत नाटकों में स्त्री पात्रों के लिए जो भाषा निर्धारित है, वह है –
(A) महाराष्ट्री (B) पैशाची
(C) मागधी (D) शौरसेनी

6. Identify the correct combination from the following statements :

निम्नांकित कथनों में से सही कथन-मिलान को पहचानिए :

(i) प्राकृत में अन्त्य व्यंजन नहीं होता ।

(ii) प्राकृत में द्विवचन होता है ।

(iii) चतुर्थी विभक्ति में षष्ठी विभक्ति का प्रयोग नहीं होता है ।

(iv) गम् धातु के स्थान पर गच्छ आदेश होता है ।

Code – कूट :

(A) (i) तथा (ii)
(B) (i) तथा (iii)
(C) (i), (iii) तथा (iv)
(D) (i) तथा (iv)

7. This word does not belong to Mahārāṣṭrī Prakrit –

यह शब्द महाराष्ट्री प्राकृत का नहीं है –

(A) भरहो
(B) रुद्दो
(C) दाव
(D) कम्म

8. The word arthapatih changes into Māgadhī as :

अर्थपति: शब्द का मागधी में यह परिवर्तन होता है –

(A) अद्धवई
(B) अस्तवदी
(C) अत्थवदी
(D) अट्ठवई

9. Kṣ is turned into jihvāmulīya – K in this Prakrit :

क्ष् के स्थान पर जिह्वामूलीय क इस प्राकृत में होता है :

(A) मागधी
(B) पैशाची
(C) अर्धमागधी
(D) महाराष्ट्री

10. Vīrasena has written commentary on this work :

वीरसेन ने इस ग्रंथ पर टीका लिखी है –

(A) समयसार
(B) द्रव्यसंग्रह
(C) समवायांग
(D) षट्खण्डागम

11. Shayyambhava is the author of –

शय्यंभव इस ग्रंथ के रचनाकार हैं –

(A) उत्तराध्ययन
(B) आवश्यक
(C) दशवैकालिक
(D) दशाश्रुतस्कंध

12. The description of ten house-holders is found in this āgama :

दस श्रावकों का वर्णन इस आगम में है –

(A) आचारांग सूत्र
(B) सूत्रकृतांग सूत्र
(C) समवायांग सूत्र
(D) उपासकदशांग सूत्र

13. The first council of Ardhamagadhi canons was held at –

अर्धमागधी आगमों की प्रथम वाचना यहाँ पर हुई थी –

(A) बलभी
(B) उदयगिरि-खण्डगिरि
(C) मथुरा
(D) पाटलिपुत्र

14. The number of Shruta Skandhas in the Achārāṅga Sūtra are –

आचारांगसूत्र में श्रुतस्कंधों की संख्या है –

(A) तीन
(B) चार
(C) पाँच
(D) दो

15. The Authors of Shatkhandāgama are –

षट्खण्डागम के रचनाकार हैं –

(A) पुष्पदंत – भूतबलि
(B) कुंदकुंद – शामकुंद
(C) वीरसेन – जिनसेन
(D) जिनसेन – गुणभद्र

16. Maheshvara-Suri is the author of this work –

इस ग्रंथ का लेखक महेश्वरसूरि है –

(A) नाणपंचमी कहा
(B) धूर्त्ताख्यान
(C) संवेगरंगशाला
(D) कहारयणकोस

17. This statement is not true.

यह कथन सत्य नहीं है –

(A) हाल कवि एक मुनि था ।

(B) विमलसूरि पउमचरियं का रचयिता है ।

(C) नम्मयासुंदरी कहा का कवि महेंद्र सूरि है

(D) कुमारपालप्रतिबोध का रचयिता सोमप्रभसूरि है ।

18. Read the name of the following texts and identify the correct code answer of Ardhamāgadhī Āgamas –

अधोलिखित ग्रन्थों के नाम पढ़िए और कूट में से अर्धमागधी आगमों के सही कूट उत्तर को पहचानिए –

(i) आचारांग	(ii) प्रवचनसार
(iii) सूत्र कृतांग	(iv) द्रव्यसंग्रह
(v) षटखण्डागम	(vi) ज्ञाताधर्मकथा

Code (कूट) –

(A) (i) + (ii)

(B) (i) + (v) एवं (vi)

(C) (i) + (iii) एवं (vi)

(D) (i) + (vi) एवं (ii)

19. Read unit I and II for the correct match –

प्रथम और द्वितीय समूहों को सही मिलान के लिए पढ़िए –

Unit-I	**Unit-II**
(a) कोऊहल	(i) द्रयाश्रयकाव्य
(b) वाक्पतिराज	(ii) लीलावई
(c) वररुचि	(iii) गउडवहो
(d) हेमचंद्र	(iv) सिरिचिंघकव्व

Identify the correct match –

सही मिलान की पहिचान कीजिए –

(A) (a) + (ii)
(B) (b) + (i)
(C) (c) + (iii)
(D) (d) + (iv)

20. In the Setubandha epic this word is used for chapters –

सेतुबन्ध महाकाव्य में अध्याय के लिए इस शब्द का प्रयोग है –

(A) सर्ग (B) आश्वास

(C) खण्ड (D) श्रुतस्कंध

21. The author of ushaniruddha is –

उषानिरूद्ध काव्य के रचयिता यह हैं –

(A) रामसिंह (B) आर्यश्याम

(C) अर्यमंक्षु (D) रामपाणिवाद

22. Kuvalayamala belongs to this form of literature –

कुवलयमाला इस विधा का साहित्य है –

(A) महाकाव्य (B) खण्डकाव्य

(C) चंपूकाव्य (D) चरितकाव्य

23. The main event of the first act of the Mṛacchakatikaṁ is –

मृच्छकटिकं नाटक के प्रथम अंक की प्रमुख घटना है –

(A) नायक-नायिका दर्शन (B) जुआ-प्रदर्शन

(C) वर्षावर्णन (D) गाड़ी-परिवर्तन

24. The season described in the first Javanika of the Karpūramaňjàri is –

कर्पूरमंजरी की प्रथम जवनिका में इस ऋतु का वर्णन हुआ है –

(A) हेमन्त (B) वसन्त

(C) वर्षा (D) ग्रीष्म

CAREERINDIA

25. Read the Units I and II for correct match –

प्रथम एवं द्वितीय खण्डों के सही मिलान के लिए पढ़िये –

	यूनिट-I		**यूनिट-II**
(a)	मानसेहरा अभिलेख	(i)	देवनागरी लिपि
(b)	गिरनार अभिलेख	(ii)	खरोष्ठी लिपि
(c)	घटियाल अभिलेख	(iii)	उदयगिरि-खण्डगिरि
(d)	हाथीगुंफा अभिलेख	(iv)	ब्राह्मीलिपि

कूट – Identify the correct combination.

सही मिलान को चिह्नित कीजिए –

(A) (d) + (ii)

(B) (a) + (iv)

(C) (b) + (iii)

(D) (c) + (i)

26. Generaly the language used in the Girnara inscriptions of Ashoka is known as :

अशोक के गिरनार अभिलेखों में प्रयुक्त भाषा सामान्य रूप से यह मानी जाती है –

(A) अपभ्रंश (B) संस्कृत

(C) शौरसेनी प्राकृत (D) पैशाची प्राकृत

27. The word 'Arahaṅtānam' used in the inscription of :

इनके शिलालेख में 'अरहंतानं' पद का प्रयोग हुआ है –

(A) खारबेल (B) कक्कुक

(C) अशोक (D) कनिष्क

28. The Prākrita Paiṅgalaṃ text belongs to this form :

प्राकृत पैंगलम् ग्रन्थ इस विधा का है –

(A) चरित (B) कोश

(C) कथा (D) छन्द

29. The number of total matras in Prakrit Gàthā Metre is –

प्राकृत गाथा छन्द में मात्राओं की कुल संख्या निर्धारित है –

(A) 62 (B) 57

(C) 42 (D) 47

30. This is an example of śatṛ 'kṛdanta' Suffix –

शतृ 'कृदन्त' प्रत्यय का यह उदाहरण है –

(A) अरिहन्त (B) समणो

(C) भगवं (D) करिअ

31. Intervocalic 'ṭ' is changed into –

स्वरमध्यवर्ती 'ट' का परिवर्तन इसमें होता है –

(A) ड (B) अ

(C) प (D) क

32. The word 'Ṛṣabha' is changed into Prakrit as –

'ऋषभ' शब्द का प्राकृत में यह परिवर्तन होता है –

(A) वसह (B) वुसह

(C) रिसह (D) वुसभ

33. Ablative singular form of the word Rāma is –

'राम' शब्द का पंचमी एकवचन का रूप है –

(A) रामाओ (B) रामासुंतो

(C) रामाणं (D) रामं

34. Kṣa is changed into Prakrit as –

प्राकृत में क्ष का परिवर्तन इस प्रकार है –

(A) क्ख (B) ब्भ

(C) त्त (D) न्न

35. The word gṛha is used in Prakrit as –
गृह शब्द का प्राकृत में यह रूप होता है –
(A) ठाण (B) पह
(C) घर (D) वाडी

36. 'पुग्गल जीवाण ठाण-सहयारी' is the characteristic of this substance –
'पुग्गलजीवाण ठाण-सहयारी' इस द्रव्य का लक्षण है –
(A) धर्मद्रव्य (B) अधर्म द्रव्य
(C) आकाश द्रव्य (D) काल द्रव्य

37. Name of the third chapter of Sanmati-tark-Prakarana is –
सन्मतितर्कप्रकरण में तृतीय कंडिका का नाम है –
(A) णयकंड्यं (B) विणयकंड्यं
(C) अणेगंतकंड्यं (D) जीवकंड्य

38. The period of Siddhasena is –
सिद्धसेन का समय है –
(A) 10वीं शताब्दी ईसवी (B) 5वीं शताब्दी ईसवी
(C) 7वीं शताब्दी ईसवी (D) 11वीं शताब्दी ईसवी

39. The language of Āchārāṇga is –
आचारांग की भाषा है –
(A) अर्द्धमागधी (B) शौरसेनी
(C) पालि (D) संस्कृत

40. 'प्रकृति-स्थिति-अनुभाग-प्रदेश'
The above are four kinds of this –
उपर्युक्त चार इसके भेद हैं –
(A) अजीव (B) धर्मास्तिकाय
(C) आस्रव (D) बन्ध

41. This is the first chapter of Pravachansāra –
प्रवचनसार का प्रथम अधिकार यह है –
(A) ज्ञानाधिकार (B) ज्ञेयाधिकार
(C) चारित्राधिकार (D) दर्शनाधिकार

CAREERINDIA

42. These are called four 'Ghāti Karmas' –

ये चार 'घातिकर्म' कहलाते हैं –

(A) वेदनीय, मोहनीय, आयु, नाम

(B) दर्शनावरणीय, गोत्र, अन्तराय, वेदनीय

(C) ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, मोहनीय, अन्तराय

(D) मोहनीय, अन्तराय, नाम, गोत्र

43. "जेण विणा लोगस्स वि ववहारो ण णिव्वडइ ।

तस्स भुवणेक्कगुरुणो णमो अणेगंतवायस्स ।।

The above verse is extracted from this book –

उपर्युक्त गाथा इस ग्रन्थ से उद्धृत है –

(A) पवयणसारो

(B) उत्तरज्झयणसुत्तं

(C) सम्मइसुत्तं

(D) आयारो

44. Which one is not correct in the following pairs ?

निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा सही युग्म नहीं है ?

(A) चारुदत्त – वसन्तसेना

(B) चन्द्रपाल – विभ्रमलेखा

(C) कुवलयचन्द्र – कुवलयमाला

(D) जयन्धर – कनकवती

45. This statement is not true :

यह कथन सत्य नहीं है –

(A) आनन्दसुन्दरी एक नाटक है ।

(B) उषानिरुद्ध एक खण्डकाव्य है ।

(C) रावणवहो एक महाकाव्य है ।

(D) रम्भामञ्जरी एक सट्टक है ।

46. The number of the chapters in the text Pravachanasāra is

प्रवचनसार ग्रन्थ के अधिकारों की संख्या है –

(A) पाँच

(B) सात

(C) चार

(D) तीन

47. Match each chapter from Part I and its subject matter from Part II and identify correct Answer

भाग-I से प्रत्येक अंक तथा भाग-II से उसकी विषयवस्तु का मिलान कीजिये और सही उत्तर पहचानिये –

	भाग-I		**भाग -II**
(a)	I अंक	(i)	संधि विच्छेदों
(b)	III अंक	(ii)	वसन्तसेना मर्दन
(c)	VI अंक	(iii)	अलंकार न्यास
(d)	VIII अंक	(iv)	प्रवहण-विपर्यय

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(B)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(C)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(D)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)

48. This person is known with 'रजनीवल्लभशिखण्ड' title –

'रजनीवल्लभशिखण्ड' उपाधि से यह व्यक्ति जाना जाता है –

(A) महेन्द्रपाल (B) राजशेखर

(C) चंद्रपाल (D) शिखण्डचन्द्र

49. This statement is not true regarding 'Ṇāyakumārachariu' –

'णायकुमारचरिउ' से संबंधित यह कथन सत्य नहीं है –

(A) इसमें श्रुतुपंचमी महत्त्व बताया है ।

(B) यह मगधराज जयन्धर के पुत्र की कथा है ।

(C) इसमें पृथ्वीदेवी की परिणय-कथा है ।

(D) इसमें पाँच वधुओं की श्वसुर द्वारा परीक्षा है ।

50. The language of 'Ṇāyakumārachariu' by Pushpadanta is –

पुष्पदंतकृत णायकुमारचरिउ की भाषा यह है –

(A) अपभ्रंश (B) संस्कृत

(C) प्राचीन हिन्दी (D) प्राचीन राजस्थानी

Space For Rough Work

www.careerindia.com